सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 39 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 14 मार्च, 2023

मूल्य ₹ 3/-

दो चीजों की आदत डालिए, मदद करने की या कम से कम कोई नुकसान ना पहुंचाने की।

-हिप्पोक्रेटीस

बीच में टोकने पर नाराज हुई जया... 8 | कब तक हंगामें की भेट चढ़ेंगे... 3 | भाजपा सरकार अपने घपले छिपाने... 7

मंत्री से सवाल पूछना पत्रकार को पड़ा भारी, हुआ गिरफ्तार

» वीडियो में रिकॉर्ड है सवाल

» भाजपा कार्यकर्ताओं से मार-पीट का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल में एक मंत्री से एक सभा में गांव के विकास को लेकर सवाल पूछना पत्रकार पर भारी पड़ गया। कार्यक्रम के बाद पुलिस ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं से मारपीट करने का आरोप पर स्थानीय पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया। इस वीडियो में पत्रकार को ये कहते हुए सुना जा सकता है, बुद्धनगर में एक भी बारातघर नहीं है, ना ही यहां पर सरकारी शौचालय है, आपने कहा था कि मंदिर से लेकर इस रोड को पक्का कराऊंगी, अभी तक ये रास्ता कच्चा है, बाइक से क्या पैदल चलने वाले लोग परेशान हो जाते हैं। आपने देवी मां के मंदिर की बाउंड्री का वादा भी किया था, आपने अभी तक उस पर भी कार्रवाई नहीं की, आपके दफ्तर पर गांव के लोग गए, वहां भी सुनवाई नहीं हुई।

पत्रकार अपनी बात रख ही रहा था कि पीछे से मंत्री के साथ मौजूद किसी महिला की आवाज आती है, आप समस्या रख रहे हो या अपना प्रचार कर रहे हो? इस पर पत्रकार कहता है, जब तक जनता की आवाज आप तक नहीं पहुंचेगी, आप दावा करते हो कि काम किया है, लेकिन एक गांव में कोई काम ही नहीं हुआ तो हम क्या कहेंगे?। फिर पत्रकार बुद्धनगर नाम के इस गांव के लोगों से पूछता है, आपके गांव में विकास हुआ है। तो ग्रामीणों ने कहा नहीं।

बीजेपी सिर्फ चाटुकार पत्रकारिता चाहती : सपा

समाजवादी पार्टी ने अपने ट्वीट में कहा है, संभल में ग्राउंड रिपोर्टर संजय राणा ने बीजेपी सरकार में मंत्री गुलाब देवी से विकास के मुद्दे पर सवाल पूछे तो मंत्री महोदया ने पत्रकार को जेल में डलवा दिया। ये बीजेपी सरकार में अघोषित इमरजेंसी और तानाशाही नहीं तो और या है ? बीजेपी सिर्फ चाटुकार पत्रकारिता चाहती है, सवाल पूछना मना है?

बीजेपी कार्यकर्ता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

शुभम राघव नाम के एक बीजेपी कार्यकर्ता की शिकायत पर संजय राणा के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 504 और 506 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बीजेपी युवा मोर्चा के जिला महामंत्री शुभम राघव ने कहा कि संजय राणा ने मंत्री गुलाब देवी के कार्यक्रम में हंगामा किया था। जब मैंने उसे समझाया तो मेरे साथ अभद्रता की। उसके साथ तीन-चार शराबी और थे, जिन्होंने मेरे साथ मारपीट की। मुझे थप्पड़ मारा गया। मेरी ही शिकायत पर उसके खिलाफ एफ़आईआर हुई है। वह कहते हैं,राणा पत्रकार नहीं है, हाथ में माइक लेकर घूमता रहता है और लैकमेल करता है।

पुलिस ने गिरतारी की पुष्टि की

संजय राणा की गिरतारी की पुष्टि करते हुए चंदौसी के सर्किल अधिकारी दीपक कुमार ने बताया,कि एक युवक के खिलाफ़ मारपीट की शिकायत मिली थी, जिस पर एफ़आईआर दर्ज करके उसे गिरतार कर लिया गया। हालांकि पुलिस संजय राणा को पत्रकार नहीं मान रही है। पुलिस के मुताबिक संजय राणा ज़िले के सूचना विभाग के साथ पंजीकृत नहीं है। पुलिस ने कहा स्वतंत्र प्रभार मंत्री गुलाब देबी चंदौसी एक सभा करने गई थी। वहां पर स्थानीय पत्रकार संजय राणा भी उपस्थित थे।

मंत्री बोलीं-तेरी निगाहें मैं बहुत देर से पहचान रही थी

मंच पर बैठी मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा विभाग की स्वतंत्र प्रभार मंत्री गुलाब देबी कहती हैं, तेरी निगाहें मैं बहुत देर से पहचान रही थी, जब तू वहां खड़ा था तब भी मैं तेरी निगाहें पहचान रही थी, जो बातें तूने कहीं हैं, ये सारी बातें ठीक हैं, अभी समय नहीं निकला है, गांव कुंदनपुर तू भूल गया, कुंदनपुर भी मेरा, बुद्धनगर भी मेरा है, ये दोनों ही गांव मेरे हैं, मैंने जो भी वादे किए हैं, मैं उन्हें पूरा करूंगी। जो काम तुमने बताए हैं, सभी काम होंगे।

कोई बात नहीं हुई, न ही कोई शिकायत दी : मंत्री की पुत्री

वहीं मंत्री गुलाब देवी का कहना है कि उनका इस एफआईआर से कोई संबंध नहीं है। गुलाब देवी की बेटी और बीजेपी की प्रवक्ता साक्षी देवी ने कहा कि मंत्री जी से किसी तरह की कोई बात नहीं हुई है, ना ही उन्होंने कोई शिकायत दी है। संबंधित व्यक्ति का किसी और के साथ विवाद हुआ था जिन्होंने शिकायत दी और एफआईआर दर्ज करवाई।

संजय राणा की मां बोलीं- मेरे बेटे को बिना कारण पकड़ा

संजय राणा की मां कश्मीरी देवी कहती हैं, मेरा बेटा पढ़ाई कर रहा है, आजकल प्रेस में भी लग गया है। मंत्री जी ने कहा था कि उन्होंने गांव के विकास पर 75 लाख रुपए खर्च किए हैं। मेरे बेटे ने बस यही पूछ लिया कि कहां खर्च किए हैं। कश्मीरी देवी कहती हैं कि शाम के वत पुलिस आकर उनके बेटे को पकड़ कर ले गई थी। उसे गिरतार करने का कोई कारण नहीं बताया है।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में केंद्र सरकार को 'सुप्रीम' झटका

मुआवजा बढ़ाने की मांग की खारिज

» दो दशक बाद इस मुद्दे को उठाने का कोई तर्क नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भोपाल गैस पीड़ितों को 7 हजार 844 करोड़ रुपये अतिरिक्त मुआवजा दिलवाने की केंद्र की अर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 1989 में सरकार और कंपनी में मुआवजे पर समझौता हुआ। अब फिर मुआवजे का आदेश नहीं दे सकते हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने 1984 भोपाल गैस त्रासदी में पीड़ितों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने के लिए केंद्र की याचिका खारिज किया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि मुआवजा काफी

था। अगर सरकार को ज्यादा मुआवजा जरूरी लगता है तो खुद देना चाहिए था। जज संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि मामले को सुलझाने के दो दशक बाद भी केंद्र द्वारा इस मुद्दे को उठाने का कोई तर्क नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों के लिए आरबीआई के पास पड़े 50 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल यूनियन ऑफ इंडिया द्वारा पीड़ितों के लंबित दावों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

पीठ ने कहा हम दो दशकों के बाद इस मुद्दे को उठाने के लिए कोई तर्क प्रस्तुत नहीं करने के लिए भारत सरकार से असंतुष्ट हैं, सुधारात्मक याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता है।

आगरा-लखनऊ एसप्रेसवे पर भीषण हादसा

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

» शादी से लौट रहा था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह भीषण हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। ये हादसा नसीरपुर के पास आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हुआ, जहां मार्ग पर खड़े लोगों को पीछे से आ रही कार ने रौंद दिया। इस हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई।

गोरखपुर शादी समारोह से लौट रहे परिवार का आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। इसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौता हो गई। यह सभी राजस्थान के रहने वाले थे। नसीरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टॉयलेट करने के लिए उतरे

थे। सभी जब गाड़ी में बैठ रहे थे। तभी पीछे से आ रही क्रेटा ने टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला, तब तक तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो ने अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। मरने वालों में दो सगे भाई बाबू और कैलाश, भांजा रमेश, चेचेरा भाई नेमीचंद और एक अन्य शामिल हैं। पुलिस ने मृतकों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राहुल गांधी से बड़ा देशभक्त कोई नहीं : अशोक गहलोत

छवि खराब करने में भाजपा ने खर्च किए लाखों रुपये

» बोले-भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गई बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की 3,500 किलोमीटर की पैदल यात्रा को देश वासियों का सहयोग और समर्थन मिला, उससे भाजपा के लोग घबरा गए हैं। पहले था कि यह चल नहीं पाएगा, लेकिन 3,500 किलोमीटर की यात्रा पूरी हुई और कश्मीर में लाल चौक पर तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि देश की आम जन को पता चला कि राहुल गांधी का व्यक्तित्व कैसा है।

राहुल गांधी की दलित, पिछड़ों, और बेसहारा को लेकर क्या सोच है। सोमवार को रक्षा मंत्री ने सदन में कहा कि राहुल गांधी माफी मांगें। इस पर गहलोत बोले कि क्यों माफी मांगें, राहुल गांधी इन सबसे ज्यादा देश भक्त हैं और कुछ भी गलत नहीं कहा जिसके लिए माफी मांगें। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास आज पैसे की कोई कमी नहीं है। इसलिए यह कांग्रेस और राहुल गांधी की छवि ही खराब करने में लगे रहते हैं, जनता सब जान चुकी है। सीएम गहलोत ने कहा कि जब आम जनता का जुड़ाव राहुल गांधी से बढ़ा तो जो इन्होंने लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए थे राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए, वह बेकार हो गए। अब राहुल गांधी ने इंग्लैंड में जाकर जो भी कहा है उसमें क्या गलत कहा है। वह वही कह रहे हैं जो यहां कहा था। राहुल गांधी ने महंगाई, बेरोजगारी, हिंसा और लोकतंत्र के खतरे की बात कही जो यहां भी कह रहे थे, फिर गलत क्या कहा है? गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान में जो योजनाएं हैं, पूरे देश में कहीं नहीं हैं। क्यों? आप उनपर चर्चा क्यों नहीं करते हैं? देश में महंगाई, बेरोजगारी है उसपर चर्चा क्यों नहीं करते। इनको सिर्फ कांग्रेस और राहुल की छवि खराब करनी है क्योंकि जनता का जो अपार समर्थन मिला भारत जोड़ों यात्रा को, उससे यह लोग घबराए हुए हैं।

ओबीसी को 35 प्रतिशत मिले आरक्षण: कमलनाथ

भोपाल। मप विस का बजट सत्र छुट्टी के बाद सोमवार से दोबारा शुरू हुआ। ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ। कमलनाथ ने सरकार से पूछा कि सरकार बताए कि किन विभागों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है और किन विभागों में नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। इस पर मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि शिवराज सरकार ने 27 प्रतिशत आरक्षण नौकरी के साथ ही पंचायत चुनाव में भी दिया। तीन विभागों को छोड़कर सभी में आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। कमलनाथ ने कहा कि मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने स्वीकार किया हमने 27 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस पर मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि आपने 27 प्रतिशत आरक्षण दिया नहीं था। आपने 27 प्रतिशत आरक्षण किया था। दिया तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने। कमलनाथ ने कहा कि हमने 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। आपकी सरकार को देना है तो 35 प्रतिशत दें।

जालंधर से कांग्रेस ने संतोख चौधरी की पत्नी को बनाया प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। कांग्रेस ने पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में दिवंगत सांसद संतोख चौधरी की पत्नी कर्मजीत कौर को प्रत्याशी बनाया है। इसी के साथ राहुल गांधी ने चौधरी परिवार के साथ किया वादा भी निभा दिया है। संतोख चौधरी का राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अचानक हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

राहुल गांधी चौधरी संतोख सिंह के अंतिम संस्कार में शरीक हुए थे और यात्रा को रोक दिया था। संतोख चौधरी के निधन से खाली हुई जालंधर लोकसभा सीट पर नियमानुसार छह महीने में उपचुनाव करवाना जरूरी है। छह महीने की अवधि जुलाई में पूरी हो रही है। उससे पहले ही कांग्रेस ने संतोख चौधरी की पत्नी डॉ. कर्मजीत कौर को चुनाव मैदान में उतारकर जहां इमोशनल कार्ड खेल दिया है वहीं महिला वोट को बटोरने की रणनीति तैयार की है। कांग्रेस हाईकमान ने सोमवार सुबह ही संतोख चौधरी की पत्नी कर्मजीत कौर चौधरी को नई दिल्ली बुलाया था।

ईडी सरकार का परमानेंट वेलेंटाइन : कपिल सिब्बल

» 12 साल बाद भी लोकपाल अधर में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भाजपा की मोदी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सीबीआई सरकार की टैंपरेरी गर्ल फ्रैंड जबकि ईडी परमानेंट वेलेंटाइन है। पूर्व कांग्रेस नेता और अभी राज्यसभा में निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने एलान किया कि वह केंद्र सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ इंसाफ का मंच बनाएंगे।

इसके लिए वह एक वेबसाइट इंसाफ का सिपाही बनाएंगे, जिससे देश भर से लोग जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि अन्ना का आंदोलन अलग था। मेरा लक्ष्य अलग है। अन्ना आंदोलन की शुरुआत

2जी स्कैम से हुई। फिर इसमें लोकपाल की मांग जोरशोर से उठाई गई। तब हमारी पीए-2 सरकार पर गलत आरोप लगाकर माहौल बनाया। मगर अब सभी लोकपाल को भूल चुके हैं। 12 साल बाद लोकपाल की कोई बात नहीं करता। मैं ऐसे अस्थायी और स्वार्थी उद्देश्यों के लिए काम नहीं करूंगा।

गंगा की तरह पवित्र है तृणमूल कांग्रेस

» कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम बोले-एक-दो लोग खराब, पूरी पार्टी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम का दावा है कि तृणमूल कांग्रेस गंगा की तरह पवित्र है। यहां तक कि ममता बनर्जी भी पाक साफ हैं। तृणमूल कांग्रेस के मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि, तृणमूल कांग्रेस पार्टी किसी भी तरह से बुरी नहीं है। हमारी पार्टी गंगा जल की तरह पवित्र है। किसी एक व्यक्ति के लिए पूरी पार्टी को बदनाम नहीं किया जा सकता।

गंगा में को तो कितने नालों का पानी आकर गिरता है, तो क्या गंगा गंदी हो जाती है। उसी तरह तृणमूल में

एक -दो लोगों के कारण पूरी पार्टी को खराब नहीं कहा जा सकता है। मंत्री फिरहाद हकीम ने इस दिन डीए आंदोलन को लेकर कहा कहा, सरकारी कर्मचारियों को ज्यादा वेतन मिले तो हमें खुशी होगी। लेकिन अगर पैसा नहीं है और वो हमपर दबाव डालेंगे तो हमारे पास से कोई पैसा कहां से निकलेगा। ज्ञात हो पश्चिम बंगाल में इन दिनों तृणमूल पूरी तरह भ्रष्टाचार में फंसी हैं। शिक्षक भर्ती घोटाला, गो तस्करी घोटाला, आवास घोटाला समेत कई सारे भ्रष्टाचार का आरोप उस पर लगे हैं।

पाक-साफ हैं ममता

मेयर फिरहाद हकीम ने कहा तृणमूल कांग्रेस पार्टी जैसे गंगा की तरह पवित्र है। वैसे ही पाक साफ हैं ममता बनर्जी। ममता बनर्जी बिल्कुल निर्दोष हैं। बंगाल के लोग उन पर विश्वास करते हैं। उन्होंने पारिवारिक धर्म न करते हुए जनआंदोलन किया। उन्होंने सारा जीवन लोगों को सौंप दिया। वह जनआंदोलन करते हुए बार-बार मौत के मुंह से वापस आई हैं। ममता बनर्जी की तुलना नहीं की जा सकती है। वो जननेत्री हैं। इसलिए जनता ने उन्हें वोट दिया है।

मुस्लिम राष्ट्र पर बना पाक, अब जो बचा सिर्फ हिंदू राष्ट्र: साक्षी महाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद साक्षी महाराज का हिन्दू राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान। मौलाना तौकीर रजा के बयान पर साक्षी महाराज ने किया पलटवार। तौकीर रजा को पता होना चाहिए,1947 में जब देश का विभाजन हुआ तब मुस्लिम राष्ट्र के नाम पर हुआ था।

अली मोहम्मद जिन्ना मुस्लिम राष्ट्र ले चुका है, अब जो रह गया है वह केवल और केवल हिंदू राष्ट्र है। इत्तेहाद मिल्लत काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने कहा था, मुस्लिम नौजवान भी मुस्लिम राष्ट्र की मांग करने लगे तो क्या होगा, साथ ही तौकीर ने कहा था कि अगर हिंदू राष्ट्र की बात करना दुरुस्त है, तो फिर खालिस्तान की भी मांग करने वालों की बात जायज है। गौरतलब हो कि इससे पहले भी साक्षी महाराज इस तरह के बयान दे चुके हैं।

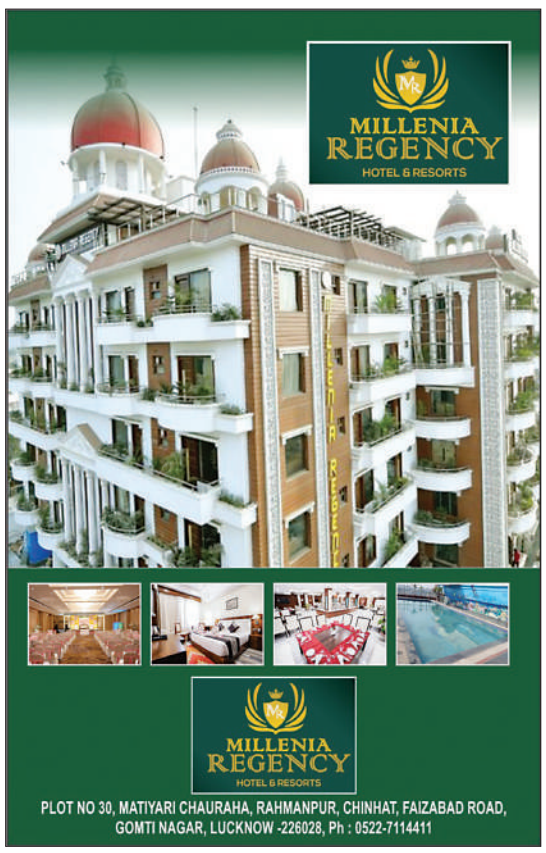

कब तक हंगामें की भेट चढ़ेंगे सत्र

संसद में काम-काज पर पड़ता है असर

सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष भी जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले 10, 12 सालों में देखने को मिला है कि संसद में काम कम व हंगामा ज्यादा हो रहा है। चाहे सत्ता हो या विपक्ष दोनों ओर से किसी मुद्दे पर चर्चा कम होती है और नोक-झोक अधिक। हंगामें की वजह से सत्र को कभी कुछ समय तो कुछ को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों को इसका आभास होना चाहिए कि भारत का विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होना ही पर्याप्त नहीं। संसद में प्राय: विपक्ष को यह शिकायत होती है कि उसे अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिलता। इस शिकायत को दूर करने के लिए संसद का कुछ समय इसके लिए आरक्षित कर देना चाहिए जिसमें विपक्षी दल जिस भी विषय पर चाहें अपनी बात रख सकें। आखिर कब तक इस तरह से सत्र हंगामे की भेट चढ़ते रहेंगे।

संसद के सत्र में हंगामा होने के आसार दिखना कोई नई या अनोखी बात नहीं। अब संसद के प्रत्येक सत्र के पहले ऐसे ही खबरें आती हैं कि सदन में हंगामा देखने को मिल सकता है। कई बार संसद में हंगामा ही अधिक होता है और काम कम। यह सिलसिला तब तक कायम रहेगा, जब तक सत्तापक्ष और विपक्ष यह नहीं समझते कि संसद सार्थक संवाद का मंच है, न कि हल्ला एवं हंगामा करने का अथवा टीवी कैमरों के सामने नारे लिखी तख्तियां लहराने का। संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि देश को कोई दिशा मिल सके, लेकिन इसके स्थान पर आरोप-प्रत्यारोप अधिक होता है। कई बार तो इसे लेकर गतिरोध कायम हो जाता है कि पहले किस विषय पर बहस हो और किन नियमों के तहत? कहना कठिन है कि संसद के सत्र का क्या होगा, लेकिन अच्छा यह होगा कि राजनीतिक दल उन देशों की संसद में होने वाली कार्यवाही को अपना आदर्श बनाएं, जहां प्रत्येक विषय पर गंभीर बहस होती है। आखिर अपने देश में अमेरिका और ब्रिटेन की संसद की तरह से बहस क्यों नहीं हो सकती? यदि संसद में होने वाली बहस का स्तर ऊंचा उठ सके तो देश सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ-साथ श्रेष्ठ लोकतंत्र की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ सकता है। राजनीतिक दलों को इसका आभास होना चाहिए कि भारत का विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होना ही पर्याप्त नहीं। उन्हें इससे भी अवगत होना चाहिए कि संसद में होने वाली बहस के गिरते स्तर के चलते उसकी गरिमा में गिरावट आ रही है और आम जनता संसदीय कार्यवाही को लेकर उत्साहित नहीं होती।

संसद में प्राय: विपक्ष को यह शिकायत होती है कि उसे अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिलता। इस शिकायत को दूर करने के लिए संसद का कुछ समय इसके लिए आरक्षित कर देना चाहिए, जिसमें विपक्षी दल जिस भी विषय पर चाहें, अपनी बात रख सकें। इस पर हर्ज नहीं कि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह संकेत दिया कि संसद के मौजूदा सत्र में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जैसे विषय उसकी प्राथमिकता में होंगे। जहां सत्तापक्ष को इन विषयों पर विपक्ष की ओर से उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तत्पर रहना चाहिए, वहीं विपक्ष को भी यह आभास कराना चाहिए कि उसका उद्देश्य अपने सवालों के जवाब पाना है, न कि हंगामा कर सदन की कार्यवाही ठप करना। सत्तापक्ष को इसके लिए भी तत्पर रहना चाहिए कि संसद के इस सत्र में प्रस्तावित विधेयक पारित हों। ये विधेयक व्यापक विचार-विमर्श के साथ पारित होने चाहिए। जब कभी आवश्यक विधेयक संसद में अटके रह जाते हैं तो इससे कुल मिलाकर देश को नुकसान होता है।

संसद में हंगामे पर कई नेता दिखा चुके हैं नाराजगी

कई बार संसद के हंगामे पर बसपा अध्यक्ष मायावती समेत कई दलों के शीर्ष नेताओं ने नाराजगी व्यक्त की है। इन नेताओं का कहना केंद्र सरकार पर विपक्ष को गैर जरूरी मुद्दों में उलझाकर सदन की कार्यवाही प्रभावित करने और राजनीतिक स्वार्थ साधने का आरोप लगाया। मायावती का कहना है कि हंगामे से देश में हर तरफ निरंकुशता और ज्यादा बढ़ेगी। संसद सत्र के दौरान भी देश की ज्वलन्त समस्याओं पर समुचित चर्चा भी नहीं हो पाने से केन्द्र सरकार अपनी जिम्मेदारी ओढ़ने से बच जा रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा,विपक्षियों को नित्य दिन नए अवांछनीय विवादित मुद्दों में उलझाना और उन्हें उतेजित करके सदन की कार्यवाही को प्रभावित करके अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति करना सरकारों की नयी प्रवृति बन गई है, जो घोर अनुचित व जनविरोधी प्रवृति है तथा इससे देशहित बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा' संसद व राज्यों में सदन के प्रति सरकारें गंभीर, जिम्मेदार व उत्तरदायित्व नहीं होंगी तो इससे देश में हर तरफ निरंकुशता और ज्यादा बढ़ेगी। मायावती ने कहा,आज देश में कड़वी वास्तविकता यही है कि ऐसी कोई सरकार नहीं दिखती जो महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी के अलावा जनहित व जनकल्याण के सम्बंध में पूरी गंभीरता व ईमानदारी के साथ काम करने की स्थिति में हो। इसलिए नये भारत की नयी सुन्दर तस्वीर बनकर कोई राज्य नहीं उभर पा रहा है।

2023 में बजट सत्र में 10 बैठकों में 4 हंगामें की भेंट चढ़ी

2023 में एक महीने की लंबी छुट्टी के बाद फिर से शुरू हो रहे इस सत्र में टोटल 27 बैठकें होंगी। इससे पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए रविवार को नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई। वहीं बता दें कि सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुआ था, जो कि 13 फरवरी तक चला। जिसमें 10 बैठकें (छुट्टी को छोड़कर) हो चुकी हैं, जिनमें 4 बार सदन को हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई को स्थगित करना पड़ा था। इसी दौरान राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद ज्ञापन और केंद्रीय बजट 2023-24 पर चर्चा हुई थी।

प्रतिवर्ष संसद के तीन सत्र

सामान्यत: प्रतिवर्ष संसद के तीन सत्र या अधिवेशन होते हैं। यथा बजट अधिवेशन (फरवरी-मई), मानसून अधिवेशन (जुलाई-अगस्त) और शीतकालीन अधिवेशन (नवंबर-दिसंबर)। किंतु, राज्यसभा के मामले में, बजट के अधिवेशन को दो अधिवेशनों में विभाजित कर दिया जाता है। इन दो अधिवेशनों के बीच तीन से चार सप्ताह का अवकाश होता है। संघ के विधानमंडल, जिसे संसद कहा जाता है, में राष्ट्रपति और दो सदन होते हैं, जिन्हें राज्यों की परिषद (राज्य सभा) और लोक सभा (लोकसभा) के रूप में जाना जाता है। प्रत्येक सदन को अपनी पिछली बैठक के छह महीने के भीतर मिलना होता है।

267 के तहत विपक्ष की नोटिस की जाती है खारिज

इससे पहले राज्यसभा चेयरमैन वेंकैया नायडू के कार्यकाल में भी बहुत हंगामा होता रहता था। कई बार तो उन्होंने नियम 267 के तहत सरकारी जांच एजेंसियों जैसे सीबीआई, आईटी के दुरुपयोग के मुद्दे पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के नोटिस को खारिज किया, इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया और हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती थी। 2023 में भी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप को लेकर विपक्ष के सदस्य हंगामा कर रहे हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईडी की तरफ से उन्हें समन जारी करने पर सवाल उठाए। खड़गे ने कहा कि जब पार्लियामेंट चल रही है, ईडी का समन आता है। आप तुरंत आइए, मैं कानून का पालन करना चाहता हूं, लेकिन जब सदन चल रहा है मुझे समन करना क्या यह उचित है? सोनिया गांधी और राहुल गांधी के घर का पुलिस ने घेराव पर भी खड़गे ने सवाल उठाया ।

लोस और रास में 35 बिल पेंडिंग

संसद में कुल 35 बिल पेंडिंग हैं। इनमें लोकसभा में 9 और राज्य सभा में 26 बिल पेश होने हैं। सत्र के पहले चरण में विधेयकों पर चर्चा और पारित किए जाने की संभावना कम है। हालांकि, सत्र के दूसरे चरण में कई महत्वपूर्ण बिल पेश किए जा सकते हैं। राज्यसभा में पेंडिंग 26 बिलों में तीन विधेयक पहले ही लोकसभा से पारित किए जा चुके हैं। इनमें अंतरराज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक 2019, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक 2022 और संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक 2022 शामिल है।

आठवां सत्र तय समय से पहले हुआ था स्थगित

संसद का शीतकालीन सत्र अपने निर्धारित समय से छह दिन पहले अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में 97 फीसदी और राज्यसभा में 102 फीसदी कामकाज हुआ है। यह लगातार आठवां सत्र है, जिसकी अवधि कम की गई है। एक रिसर्च संस्था द्वारा संकलित आंकड़ों से यह जानकारी मिली। शीतकालीन सत्र सात दिसंबर को शुरू हुआ और 29 दिसंबर तक चलना था। हालांकि, सदस्यों ने क्रिसमस और नये साल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से कार्यवाही पहले ही स्थगित करने का आग्रह किया था। आंकड़ों के अनुसार 2020 में हुए बजट सत्र से अब तक के सभी संसद सत्र तय समय से पहले समाप्त हो गए। वर्ष 2020 में कोविड-19 के मामले बढ़ने की वजह से बजट और मानसून सत्र की अवधि कम कर दी गयी। बजट सत्र 11 दिन पहले स्थगित कर दिया गया, वहीं मानसून सत्र तय समय से आठ दिन पहले समाप्त हो गया था। उस साल महामारी के कारण शीतकालीन सत्र आयोजित ही नहीं हुआ। पिछले साल बजट सत्र निर्धारित कार्यक्रम से 14 दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आस्कर में भारत का परचम

दुनिया में वैसे तो सिनेमा के क्षेत्र में सैकड़ों पुरस्कार दिये जाते हैं। लेकिन ऑस्कर को मनोरंजन के क्षेत्र में दिया जाने वाला विश्व का सबसे बड़ा पुरस्कार माना जाता है। इसे हम अकादमी पुरस्कारों के नाम से भी जानते हैं। हालांकि 91 साल के इतिहास में अब तक किसी भी भारतीय फिल्म को ऑस्कर नहीं मिल सका है। कुछ ऐसे भारतीय कलाकार जरूर रहे हैं, जिन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अकादमी पुरस्कार प्राप्त कर देश को गौरवान्वित करने का मौका दिया है।

भारतीय सिनेमा के लिए 13 मार्च का दिन बेहद खास हो गया है। इस दिन सिनेमा जगत के दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में से एक माने जाने वाले 95 वें द एकेडमी अॅवाडर्स में भारत को दो ऑस्कर पुरस्कार मिले हैं। एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर के सॉन्ग नाटु-नाटु को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग के लिए और भारत की डॉक्यूमेंट्री फिल्मद एलिफेंट व्हिस्परस को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवार्ड मिला है। इससे पहले भी भारत को 5 बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुका है। इस तरह के पुरस्कार से जहां देश का सम्मान बढ़ता है वहीं कलाकारों की भी हौसला अफजाई होती है। विदेशी फिल्म इंडस्ट्री में भी भारतीय सिनेमा का दबदबा बढ़ता है और भारतीय कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है जिसका फायदा उन्हें आर्थिक रूप से भी मिलता है।

सिनेमा जगत का सबसे बड़ा अवार्ड ऑस्कर जो दुनिया में अपनी एक अलग पहचान रखता है। सिनेमा से जुड़े लगभग सभी कलाकार इस अवार्ड को जीतने की चाहते रखते हैं। भारत के लोगों के लिए कई बार ऐसे खुशी पल देखने को मिले हैं जब किसी भारतीय ने ऑस्कर अवार्ड अपने नाम किया है। भारत को अपना पहला ऑस्कर अवॉर्ड 1983 में मिला था। 55वें एकेडमी अॅवाडर्स में फिल्म गांधी के लिए भानू अथैया को बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। भानू ने जॉन मोलो के साथ मिलकर गांधी फिल्म के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन किया था। भारतीय सिनेमा के सबसे महानतम फिल्मकारों में से एक सत्यजीत रे को 1992 में होनेरी एकेडमी अॅवार्ड मिला था। सत्यजीत रे को मोशन पिक्चर्स की कला में उनके दुर्लभ महारत और उनके गहन मानवीय दृष्टिकोण की पहचान के लिए 64वें एकेडमी अॅवाडर्स में ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। सत्यजीत के खराब स्वास्थ्य के कारण वो खुद ऑस्कर समारोह में नहीं जा सके थें, जिस कारण उन्हें यह पुरस्कार उनके घर आकर दिया गया था। साल 2009 में आई स्लमडॉग मिलियनेयर को पूरे विश्व में खूब सराहा गया था। फिल्म ने 81वें एकेडमी अॅवाडर्स के तीन कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड जीता था। इसमें रेसुल पूकुट्टी को बेस्ट साउंड मिक्सिंग के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। स्लमडॉग मिलियनेयर के जय हो गीत के लिए गीतकार गुलजार को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। संगीत की दुनिया में भारत का नाम ऊंचा करने वाले ए आर रहमान को दो ऑस्कर अवॉर्ड मिले थे। इसमें एक जय हो के लिए बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग और बेस्ट ओरिजिनल स्कोर का ऑस्कर अवॉर्ड मिला था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मोटे अनाज को बढ़ावा देना आसान नहीं

दिनेश सी. शर्मा

संयुक्त राष्ट्र और भारत की केंद्रीय सरकार द्वारा साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के बाद सरकारी एजेंसियों की हरचंद कोशिश रहेगी कि भारत को मोटा अनाज उत्पादन और निर्यात का मुख्य धुरा बनाया जाए। मोटा अनाज मानव के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए वैसे भी अच्छा होता है और यह तीखे मौसम में भी उगाए जा सकते हैं। तथ्य है कि सदियों से मोटा अनाज भारतीय भोजन का हिस्सा और खुराक रहे हैं। वर्ष 1960 के दशक तक ज्वार, बाजरा और रागी का अंश भारतीयों के भोजन में लगभग एक-चौथाई हुआ करता था। लेकिन हरित क्रांति में धान और गेहूं की फसल को मिली तरजीह के बाद इनका अंश कम होता चला गया।

जब से मोटे अनाज का उत्पादन और खपत कम होनी शुरू हुई तब से अब तक हमारी भोजन और खुराक संबंधी आदतें पूरी तरह बदल चुकी हैं। पिछले कुछ दशकों से हम निर्णायक रूप से महीन, प्रसंस्करित, पैकेट बंद और रेडी-टू-कुक भोजन की ओर मुड़ गए हैं। खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा 1960-70 के दशक से मिलना शुरू हुआ था ताकि खाद्यान्न की बर्बादी रोकी जा सके और कृषि उत्पाद का भंडारण लंबे समय तक हो पाए। प्रसंस्करित और पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की ओर जाना आर्थिक उदारवाद लागू होने के बाद ज्यादा तेजी से हुआ। वर्ष 1991 के बाद, बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में प्रसंस्करित और अति-प्रसंस्करित खाद्य पदार्थों के अलावा अधिक चीनी युक्त पदार्थ उतारने शुरू किए। इस श्रेणी के खाद्य को जंक फूड यानी कबाड़ भोज कहा जाता है, इन अति-प्रसंस्करित पदार्थों में चीनी, नमक और वसा (सेचुरेटेड और अनसेचुरेटेड) की काफी मात्रा होती है, इनके आने के बाद भारतीयों में मोटापा और असंक्रमित रोगों का इजाफा होने लगा। ऐसी स्थिति में मोटे अनाज को भोजन का मुख्य हिस्सा बनाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। एक ओर किसानों को मौजूदा गेहूं-चावल वाले मुख्य फसल चक्र से हटकर इसकी पैदावार के लिए प्रेरित करना मुश्किल होगा तो दूसरी तरफ उपभोक्ता को अपनी खानपान आदतें सुधारने के लिए शिक्षित करना पड़ेगा। तिस पर यह डर यह है कि जंक फूड उद्योग अपनी प्रचार ताकत से मोटे अनाज के प्रति लोगों की रुचि पैदा ही न होने दें।

जब से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जंक फूड को असंक्रमित रोगों के जोखिम का मुख्य कारक ठहराया है और नई पीढ़ी में जंक फूड के प्रचार-प्रसार को नियंत्रण करने के लिए नीतियां सुझाई हैं, तब से खाद्य कंपनियां अपने

उत्पाद को किसी भी हीले-हवाले 'स्वास्थ्यप्रद' और 'प्राकृतिक' बताने का प्रयास करने लगी हैं। इसका रूप हमें मल्टीग्रेन बिस्किट, कम चीनी वाले कोला पेय, आटा, नूडल्स और 'दिल-मित्र खाद्य तेल', फ्रूट जूस इत्यादि में देखने को मिल रहा है और उन्हें घर में बने-उगाए भोजन-सब्जियों-फलों का सही विकल्प बताया जा रहा है। कुछ जंक फूड कंपनियों ने पहले ही हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मोटा अनाज अनुसंधान केंद्र का दरवाज़ा खटखटाना शुरू कर दिया है। जंक फूड कंपनियों द्वारा अपने उत्पाद को स्वास्थ्यप्रद बताने का एक तरीका है पैकेट पर बड़े-बड़े दावे करते हुए मुख्य घटक और मिलाये गए नुकसानदायक अवयवों की जानकारी छिपाना। भारत की खाद्य नियामक संहिता के अनुसार सभी खाद्य पैकेटों पर तयशुदा सारणी के अनुसार 'पौष्टिकता सूचना' लिखना अनिवार्य है, जिसमें मुख्यत: चीनी, वसा, कार्बोहाईड्रेट्स इत्यादि की जानकारी होती है। अब अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नियमन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक संस्थान ने प्रस्ताव दिया है कि खाद्य-पैकेट के मुख्य पार्श्व पर पौष्टिकता-अवयव संबंधी लघु जानकारी देने के अलावा पिछले हिस्से पर तफ्सील देना जरूरी किया जाए। कहा जा रहा है कि इससे ग्राहक को अपनी सेहत स्थिति के मुताबिक उत्पाद चुनने में मदद मिलेगी। यह सूचना आसानी से समझ में आने वाले चिन्हों या फिर पंक्ति (जैसा कि उत्पाद शाकाहारी है या गैर-शाकाहारी बताने में किया जाता है) के रूप में हो सकती है। इस बाबत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यकर्ताओं का सुझाव है कि यह ट्रैफिक सिग्नल सरीखे चेतावनी चिन्हों का प्रयोग करके हो सकती है वहीं खाद्य कंपनियां हेल्थ स्टार रेटिंग अथवा पौष्टिक स्टार रेटिंग का सुझाव दे रही हैं (जैसा कि विद्युत उपकरणों पर बिजली खपत के बारे में होता है)। स्टार रेटिंग व्यवस्था वास्तव में भ्रामक हो सकती है क्योंकि स्टार का चिन्ह लगते ही, भले ही एक हो या दो, ग्राहक को लगेगा कि खाद्य पदार्थ कुछ तो ठीक है।

उपभोक्ता सर्वे बताता है कि 10 में 7 ग्राहक चाहते हैं कि खाद्य-पैकेटों पर सामने की ओर चेतावनी संकेत जैसे कि लाल बिंदु होना चाहिए ताकि शिनाख्त करना आसान हो सके। अब हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान ने सूचना के विविध तरीकों पर ग्राहकों की राय जानने के लिए अध्ययन करवाया है। इसके आधार पर उपभोक्ता को यह जानकारी दी जाए कि क्या पौष्टिक या क्या पौष्टिक नहीं है।

चीन से आयात पर अंकुश की पहल

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के कार्यक्रम में कहा कि जल्द ही चीन से आयात होने वाले घटिया स्तर के 2000 उत्पादों को गुणवत्ता नियंत्रण के दायरे में लाया जाएगा। साथ ही चीन से सस्ता माल मंगाना आसान नहीं होगा। मैन्यूफैक्चरिंग के प्रोत्साहन के लिए बड़े पैमाने पर गुणवत्ता मानक का नियम लागू होगा। निस्संदेह इस समय जब चीन से हर तरह का आयात बढ़ रहा है और चीन से देश का व्यापार असंतुलन चिंताजनक स्तर पर है, तब सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है। इससे चीन से आयात पर अंकुश लगेगा।

गौरतलब है कि इस समय चीन से लगातार बढ़ता व्यापार असंतुलन पूरे देश की एक बड़ी आर्थिक चिंता का कारण बन गया है और इस पर पूरे देश में विभिन्न स्तरों पर विचार मंथन हो रहा है। पिछले माह 23 फरवरी को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एशिया इकोनॉमिक डायलॉग में कहा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। साथ ही देश की बड़ी कंपनियाँ शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी बहुत पीछे हैं। विगत 17 फरवरी को वाणिज्य मंत्रालय ने भारत चीन व्यापार के वित्त वर्ष 2022-23 के अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक 10 महीनों के आयात-निर्यात के जो नवीनतम आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक इन 10 महीनों की अवधि में चीन से किए जाने वाले आयात में 9 फीसदी का उछाल आया है। जबकि इस अवधि में चीन को किए जाने वाले निर्यात में 34 फीसदी की भारी कमी आई है। वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 10 महीनों में भारत के द्वारा किए जाने वाले कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी 13.91 फीसदी है। भारत ने 10 महीनों में कुल 83.76 अरब डॉलर का आयात चीन से किया है। जबकि इसी अवधि में भारत ने चीन को केवल 12.20 अरब डॉलर का निर्यात किया है।

भारत द्वारा किए जाने वाले निर्यात में चीन की हिस्सेदारी केवल 3.30 फीसदी है। स्थिति यह है कि इस समय जहां दुनिया के 150 से अधिक देशों में भारत से किए जाने वाले निर्यात में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं चीन को निर्यात में लगातार कमी का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यद्यपि पिछले दो सालों में चीन और भारत के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा है। यहां तक कि कई बार हिंसक झड़पें हुई हैं, लेकिन फिर भी व्यापार के क्षेत्र में भारत की चीन पर निर्भरता भी लगातार बढ़ी है। यहां यह उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिसंबर, 2022 में राज्यसभा में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि चीन के साथ व्यापार घाटा भारत के लिए चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-05 में भारत और चीन के बीच 1.48 अरब डॉलर का व्यापार घाटा था। लेकिन 2013-14 में ये बढ़कर 36.21 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

इस प्रकार इसमें करीब 2346 फीसदी की वृद्धि हुई। इन वर्षों में चीन से आयात भी बढ़कर दस गुना से अधिक हो गया है। जहां इन वर्षों में पूरा देश चीन में निर्मित घटिया चीनी उत्पादों से भर गया और भारत लगातार बहुत कुछ चीनी सामानों पर निर्भर होता गया, वहीं अभी भी चीन से बढ़ता आयात चुनौती बना हुआ है। चीन से भारत में आने वाले सामान में विभिन्न उद्योगों के उत्पादन में काम आने वाले दवाइयों के कच्चे माल, (एपीआई), दवाइयां, इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रानिक सामान, पशु या वनस्पति वसा, अयस्क, लावा और राख, खनिज ईंधन, अकार्बनिक रसायन, कार्बनिक रसायन, उर्वरक, कमाना या रंगाई के अर्क, विविध रासायनिक उत्पाद, प्लास्टिक, कागज व पेपरबोर्ड, कपास, कपड़े, जूते, कांच और कांच के बने पदार्थ, लोहा और इस्पात, तांबा, रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण विद्युत मशीनरी और फर्नीचर से संबंधित है। इन सामानों का चीन से आयात लगातार बढ़ा है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2014-15 से स्वदेशी उत्पादों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैसे-जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे-वैसे प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी। देशभर में चीनी सामान के जोरदार बहिष्कार और सरकार के द्वारा टिक टॉक सहित विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग की प्रवृत्ति को लगातार प्रोत्साहन दिए जाने से चीन के सामानों की भारत में मांग में कमी दिखाई दी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पीएम मोदी द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया। जहां वर्ष 2022 में दीपावली पर भारतीय बाजारों में चीनी उत्पादों की बिक्री में बड़ी कमी आई, वहीं मार्च, 2023 में होली पर्व पर चीनी उत्पाद बाजार से लगभग गायब रहे। यह भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

घर पर फेशियल करने का तरीका

जेंटल फेस वॉश से अपने चेहरे को साफ करें। होम मेड या बाजार से खरीदे गए स्क्रब से चेहरे की कम से कम 5 मिनट तक स्क्रबिंग करें। फेस पर स्टीम लें, ताकि इसके बाद जो भी प्रॉडक्ट लगाए जाएं, वो अच्छे से एब्जॉर्ब हो सकें। रिच मॉइस्चराइजर से चेहरे की 10 मिनट तक मसाज करें। इस दौरान स्ट्रोक्स कैसे रखने हैं, इसके लिए आप इंटरनेट पर मौजूद वीडियोज की मदद ले सकती हैं। फेस क्लीन करने के बाद घर पर तैयार या फिर बाजार से लाया हुआ फेस पैक लगाएं। इसे 15 मिनट तक रखें। चेहरे को हल्के गर्म पानी से क्लीन करें और फिर क्रीम लगाएं। आप चाहें तो बादाम तेल या फिर स्किन को सूट करने वाला कोई एसेंशियल ऑयल भी लगा सकती हैं।

हर 15 दिन में कराना चाहिए फेशियल

इस बात में तो कोई शक ही नहीं कि स्किन को हर थोड़े दिन में डीप क्लीन करने की जरूरत होती है। इसके साथ ही नरिशमेंट भी बेहद अहम होता है। इन दोनों ही जरूरतों को फेशियल काफी अच्छे से पूरा करता है। यही वजह है कि चाहे जिस भी स्किन एक्सपर्ट के पास चले जाएं, वो फेशियल करवाने के लिए जरूर कहता है। आमतौर पर महिलाएं महीनेभर में या दो महीने में एक बार इसे करवाती हैं। हालांकि, अगर महीने में दो बार यानी हर 15 दिन में एक बार फेशियल करवाया जाए, तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा पहुंचता दिखेगा। 15 दिन में एक बार फेशियल करवाने पर स्किन को क्लीन रखने में मदद मिलती है। ये पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को रिमूव करता है। साथ ही ब्लेकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को हटाता है। महीने में जब दो बार स्किन को डैमेज करने वाली इन चीजों को हटाया जाए, तो त्वचा ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रह पाती है।

इस तरह काम करता है फेशियल

फेशियल ऐसा स्किनकेयर ट्रीटमेंट है, जिसमें अलग-अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स के कॉम्बिनेशन के जरिए एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाती है। इसमें एक्सफॉलिएशन के जरिए डेड स्किन और इम्प्यूरिटी रिमूव की जाती है। और सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से त्वचा को हाइड्रेशन दिया जाता है। और जिन हैंड मूवमेंट्स का यूज होता है, वो एजिंग साइन्स को कम करने से लेकर फेस शेप को और उभारने में मदद करते हैं।

ऐसे होता है फेशियल

चेहरे को क्लेन्जर से क्लीन किया जाता है। फिर स्क्रब का इस्तेमाल कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है। टैनिंग रिमूव करने के लिए मास्क लगाया जाता है। ये करीब 10 से 15 मिनट के लिए रखा जाता है। फेशियल के लिए खासतौर पर तैयार क्रीम्स से मसाज की जाती है। इस दौरान मसाजिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल कर स्किन रिलैक्सेशन के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है। इसे करीब 20 मिनट से लेकर आधे घंटे तक किया जाता है। उसके बाद चेहरे को साफ करने के बाद फेस पैक लगाया जाता है। ये करीब 15 से 20 मिनट तक लगा रहता है। आखिर में चेहरा एक बार फिर से साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीन लगाई जाती है।

एक्सपर्ट कहते हैं

डर्मेटोलॉजिस्ट रश्मी शेट्टी ने अपने वीडियो में शेयर किया कि किसी को कितनी बार फेशियल करवाना चाहिए, इसे लेकर कोई सेट रूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी की ड्राई स्किन है तो महीने में दो बार फेशियल करवाना स्किन को हाइड्रेशन पाने और चेहरे को प्लम्प लुक देने में मदद करेगा। डॉक्टर ने ये भी कहा कि जिनकी ऐसी स्किन है, जिसके पोर्स जल्दी क्लॉग हो जाते हैं, या वाइटहेड्स एंड ब्लैकहेड्स आ जाते हैं, तो वो भी 15 दिन में एक बार क्लीनअप करवा सकते हैं। हालांकि, सेंसेटिव स्किन वालों को डॉक्टर रश्मी ने सोच-समझकर फेशियल करवाने की सलाह दी, क्योंकि ऐसा त्वचा बहुत जल्दी इरिटेट हो जाती है, जो समस्याओं को जन्म दे सकती है।

हंसना मना है

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा - पढ़ाई कैसी चल रही है...? बच्चे ने जवाब दिया - अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं...!!!

कर्मचारी - हेलो सर, मुझे आतंकवादियों ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए, आंख फोड़ दी, किडनी निकाल ली... बॉस - देख ले... हो सके तो आजा, आज ऑडिट है...!!!

एक औरत ने अपनी पड़ोसन से पूछा- क्या तुम्हें ऐसा आदमी पसंद है, जिसके सारे बाल सफेद हों और डाई करके जवान बनने की कोशिश करता हो...? चार कदम चलने पर जिसकी सांस फूल जाती हो, दफ्तर से घर आकर शराब पीना शुरू कर देता हो और खाना खाते ही कुत्ते की तरह सो जाता हो...! जो नहाता न हो और टॉयलेट में आधा-आधा घंटा गुजारता हो...? पड़ोसन - नहीं, हरगिज नहीं.... भला ऐसे मर्द को कौन औरत पसंद करेगी...! औरत - तो फिर मेरे पति के पीछे क्यों पड़ी हो...?

एक हवाई जहाज तूफान में फंस गया... पायलट बोला- किसी को बचने की दुआ आती है क्या...? एक बाबा बोले- हां, मुझे आती है...! पायलट - ठीक है बाबा, आप दुआ कीजिए, एक पैराशूट कम है...!!! बाबा बेहोश...

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

कहानी से सीख- बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता और विवेक का उपयोग करके बड़ी से बड़ी मुसीबत को हराया जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन

वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह

स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे।

मकर

कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मीन

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

आस्कर अवार्ड : ब्लैक गाउन में दीपिका ने लूट ली महफिल

ऑस्कर 2023 के लिए पूरी दुनिया से कलाकार पहुंच चुके हैं, जहां एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गाने नाटु-नाटु ने बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग के लिए अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। वहीं दीपिका पादुकोण का डेब्यू भारतीयों के लिए डबल खुशी का मौका बना है। एक्ट्रेस की एंट्री और लुक पर हर किसी की निगाहें टिकी रहीं। 95th एकेडमी अवार्ड्स को प्रेजेंट करने के लिए हसीना ने ब्लैक कलर का गाउन अपने लिए चुना, जिसमें उनका लुक देखने लायक था। जहां उनका ये ऑफ-शोल्डर गाउन हर किसी का ध्यान बटोर रहा था, वहीं उनके गर्दन पर बने टैटू ने भी खूब लाइमलाइट बटोरी। दीपिका पादुकोण ने ऑस्कर अवॉर्ड फंक्शन अटेंड करने के लिए ब्लैक कलर चूज किया था, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उन्होंने इस खूबसूरत ड्रेस को लग्जरी ब्रैंड Louis Vuitton से पिक किया था, क्योंकि दीपिका खुद इसकी ब्रैंड एंबेसडर हैं और इसे अक्सर ही प्रमोट करती रहती हैं। अदाकारा ने जैसे ही अपनी तस्वीरें शेयर की, फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दीपिका के इस गॉर्जियस ब्लैक गाउन को बनाने में वेलवेट फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें ऑफ-शोल्डर पैटर्न के साथ प्लंजिंग नेकलाइन भी दी गई थी। वहीं ड्रेस के साथ हाफ स्लीव्स थीं, जिससे अटैच करते हुए उन्होंने ओपेरा ग्लव्स पहने थे। दीपिका का ये गाउन बस्ट और वेस्ट एरिया पर एकदम फिटेड था, जिसमें उनकी कर्वी फिगर अच्छे से फ्लॉन्ट होती दिख रही थी। वहीं इस फिगर हगिंग फिटिंग वाले गाउन में स्कर्ट वाले पार्ट में मरमेड पैटर्न दिया गया था, जिसमें प्लीट्स दी गई थी, जो उनके लुक की खूबसूरती को बढ़ा रहा था। अपने इस लुक को कम्पलीट करने के लिए दीपिका ने डायमंड नेकलेस, स्टेटमेंट रिंग्स और ब्रेसलेट पहना था। मेकअप के लिए हेवी फाउंडेशन, विंग्ड आईलाइनर, न्यूड पिंक लिप शेड, सटल आईशैडो, कोहल्ड आईज के साथ बालों को सेंटर पार्टेड करते हुए मेसी बन में स्टाइल किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

लोग मुझे नाजायज औलाद कहकर बुलाते थे : महेश भट्ट

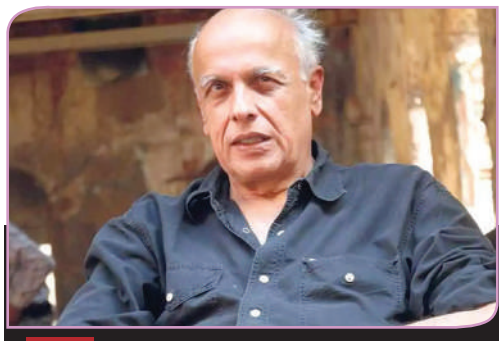

बॉलीवुड डायरेक्टर महेश भट्ट हाल ही में अरबाज खान के चैट शो द इनविन्सिबल्स विद अरबाज खान में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई ट्रैजिक किस्से शेयर किए। इंटरव्यू के दौरान महेश भट्ट ने बताया कि उनका बचपन बेहद मुश्किलों भरा रहा। पिता नानाभाई भट्ट पहले से ही शादीशुदा थे इस वजह से उन्होंने जीते-जी महेश की मां को कभी भी पत्नी का दर्जा नहीं दिया। यही वजह थी कि बचपन में लोग महेश को नाजायज औलाद कहकर चिढ़ाया करते थे। महेश ने बताया उनकी मां मुस्लिम थीं, लेकिन हिंदू इलाके में रहने की वजह से उनकी मां को अपना धर्म छिपाकर रहना पड़ा था। बातचीत के महेश ने कहा- मेरी मां केवल इतना चाहती थीं कि उन्हें मेरे पिता नानाभाई भट्ट स्वीकार कर लें। लेकिन क्योंकि वो पहले से ही शादीशुदा थे और उनका अपना परिवार था, इसलिए उन्होंने कभी भी मां को उनका हक नहीं दिया था। महेश भट्ट ने उस मुश्किल के दौर को याद करते हुए लिखा- 'जब 1998 में मेरी मां का देहांत हुआ, तो उनकी आखिरी इच्छा थी कि उन्हें उनके धर्म के अनुसार दफन किया जाए। मेरे पिता अपनी पहली पत्नी के साथ अंतिम संस्कार के लिए आए थे, तो उन्होंने पहली बार उनकी मांग में सिंदूर लगाया था।' 'यह देखकर मैं हैरान रह गया, मैं यही सोचता रह गया कि उन्हें यह करने में बहुत देर हो गई। उस घटना ने मुझे तोड़कर रख दिया। मां हमेशा चाहती थीं कि पिता उन्हें सबके सामने स्वीकार करें, लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो सका।' महेश बोले- जब मैंने पिता को मां की अंतिम इच्छा के बारे में बताया कि वो चाहती थीं कि उन्हें वहीं दफनाया जाए जहां उनकी मां को शिया कब्रिस्तान में दफनाया गया है। यह कहते हुए जब मैंने उनकी तरफ देखा तो उनका चेहरा पूरी तरह से पीला पड़ गया था। उन्होंने हाथ जोड़कर मुझे कहा कि माफ कर दे बेटा, मेरा धर्म मुझे वहां जाने की इजाजत नहीं देता। उनकी की इस बात से मेरा दिल बुरी तरह टूट गया।

रोहित शेट्टी और अजय देवगन की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल

बॉलीवुड | मसाला

अजय देवगन का नाम इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों में शुमार है। अजय देवगन की सबसे बेहतरीन फिल्मों की बात की जाए तो उसमें सिंघम का नाम टॉप लिस्ट पर जरूर शामिल होगा। अब तक अजय सिंघम और सिंघम रिटर्न्स के जरिए दर्शकों को भरपूर मनोरंजन कर चुके हैं।

बीते समय में डायरेक्टर रोहित शेट्टी अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन यानी तीसरे पार्ट का एलान कर चुके हैं। इस बीच अब सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

सोमवार को मशहूर फिल्म क्रिटक्स तरण आदर्श की ओर से अजय देवगन की सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट मिला है। दरअसल तरण ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर ये जानकारी दी है कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी और एक्टर अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन दिवाली 2024 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले रोहित शेट्टी की कॉप स्पेशलिस्ट इस फ्रेंचाइजी के पिछले दो पार्ट्स सिंघम और सिंघम रिटर्न्स ने बॉक्स ऑफिस पर ताबडतोड़ कमाई की है। ऐसे में अब अगले साल दिवाली पर सिंघम अगेन किस तरह की प्रदर्शन करेगी, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

तरण आदर्श ने अपने इस लेटेस्ट पोस्ट में सिंघम अगेन की शूटिंग को लेकर भी जानकारी दी है। जिसमें ये बताया है कि इस साल जुलाई के महीने से रोहित शेट्टी और अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू हो जाएगी। ऐसे में सिंघम 3 को लेकर इस लेटेस्ट अपडेट ने यकीनन अजय देवगन के फैंस की एक्साइटमेंट को बड़ा दिया होगा। क्योंकि सुपरस्टार अजय देवगन को बाजीराव सिंघम के किरदार में देखना लोग काफी पसंद करते हैं।

लाखों लीटर पानी से नहीं भरती ये ओखली, पंचामृत से हो जाती है लबालब

पाली जिला मुख्यालय से तकरीबन 105 किलोमीटर दूर भाटून्द गांव में शीतला माता मंदिर है। इस मंदिर में चमत्कारिक ओखली है। यह ओखली मात्र एक फीट गहरी और 6 इंच चौड़ी है। इसके बावजूद इसमें हजारों-लाखों लीटर पानी डालने के बाद भी यह नहीं भरती है। मंदिर के पुजारी पूजा-अर्चना कर पंचामृत की बूंदें डालते हैं तो ओखली का पानी बाहर आ जाता। ओखली में जब तक पंचामृत नहीं डाला जाता है, तब तक चाहे कितना भी पानी डाल दें ओखली नहीं भरती है इस रहस्य को जानने के लिए लोगों ने कई बार कोशिशें कीं लेकिन वे सफल नहीं हो सके। ओखली को साल में 2 बार खोला जाता है, जिसमें भाटून्द गांव की महिलाओं के साथ आसपास की सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर दिनभर ओखली में पानी डालती हैं। ग्रामीणों की मानें तो 1000 हजार साल पहले भाटून्द गांव में सिर्फ ब्राह्मण ही निवास करते थे। इस गांव में एक बाबरा नामक राक्षस आया और तबाही मचाना शुरू कर दी। राक्षस अदृश्य होकर तांडव मचाता था और लोगों को परेशान भी करता था। धीरे-धीरे उसका अत्याचार बढ़ने लगा और गांव से दुल्हन की विदाई की जगह दूल्हे की अर्थी ही निकलती थी। जब भी गांव में कोई शादी होती थी तो तीसरे फेरे के वक्त अदृश्य राक्षस दूल्हे को मार देता था। इससे खुशियां मातम में बदल जाती थीं। गांव में हर तरफ विधवाएं ही नजर आने लगी थीं बाबरा राक्षस की ज्यादतियों से ब्राह्मण बहुत परेशान हो गए थे। वर्षों बाद साधुओं की टोली गांव से गुजर रही थी। ग्रामीणों ने उनको अपनी पीड़ा बताई। साधुओं ने बताया की मेवाड़ में उतेरा गांव है (वर्तमान में उटबदा नाम से है) वहां जाओ और मां शीतला की तपस्या करो। मां खुश हो गईं तो समस्या का निदान हो जाएगा। भाटूनंद गांव से सैकड़ों ब्राह्मण उतेरा गांव पहुंचे और वर्षों तक तपस्या की तब जाकर मां प्रसन्न हुईं। ब्राह्मणों ने अपनी पीड़ा बताई। शीतला माता एक बच्ची का रूप धारण कर भाटूनंद गांव में पहुंचीं। देवी ने गांव के बीच में ही शादी की तैयारी करने को कहा। ग्रामीणों ने तैयारी शुरू कर दी। मंडप सजाया गया। गाजे-बाजे के साथ बरात आई। आखिरकार वह पल भी आया जब विवाह के मंडप में दूल्हा-दुल्हन फेरे लेने लगे। तीसरे फेरे के दौरान राक्षस आ गया। इसके बाद मां शीतला ने विकराल रूप धारण कर लिया और उसे जमीन पर पटक दिया। मां शीतला के विकराल रूप को देखकर राक्षस थर-थर कांपने लगा और जीवन की भीख मांगने लगा। माता ने अंतिम इच्छा पूछी तो बोला की मुझे साल में दो बार बलि और पीने के लिए मदिरा चाहिए। गांव ब्राह्मणों का था, इसलिए माता ने उसकी मांग को अस्वीकार कर दिया। तब उसे बलि के रूप में सूखा आटा व गुड़, दही इत्यादि का भोग दिया जाता है। मदिरा की जगह पर राक्षस को पानी पिलाया जाता है।

अजब-गजब | इस सरकार की एक शर्त मानेंगे तो हो जायेंगे मालामाल

गांव में आकर बसे तो मिलेंगे 49 लाख रुपये

एक शानदार घर खरीदने का सपना तो सबका होता है, लेकिन इंसान को अपने बजट के मुताबिक फ्लैट या फिर छोटे घर में ही संतुष्ट रहना पड़ता है। ऐसे में अगर कोई आपको न सिर्फ एक खूबसूरत जगह पर रहने के लिए बुलाया जाए और इसके बदले पैसे भी दिए जाएं, तो ये ऑफर कैसा रहेगा? आप भी ऐसा ही सोच रहे होंगे भला ऐसा कहा होता है, लेकिन ऐसा ही ऑफर दिया जा रहा है एक गांव में बसने के लिए।

यूं तो अपने देश में खूबसूरत पहाड़ी गांवों की कमी नहीं है, लेकिन वहां बसने के लिए आपको अच्छे-खासे पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि इस वक्त एक यूरोपियन देश के गांव का ऑफर सुर्खियों में है, जहां बसने के लिए करीब 50 लाख रुपये ऑफर किए जा रहे हैं। आप भी सोच रहे होंगे कि भला इतनी मेहरबानी लोगों पर क्यों की जा रही है, तो चलिए आपको बताते हैं।

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक स्विट्ज़रलैंड के पहाड़ों में बसे गांव Albinen में आकर बसने वालों को 50,000 यानि भारतीय मुद्रा में 49 लाख 26 हज़ार से भी ज्यादा ऑफर किए जा रहे हैं। गांव 4,265 फीट की ऊंचाई पर स्विस प्रांत Valais में बसा हुआ है और फ्रांस-इटली बॉर्डर पर पड़ता है। बर्फ से ढकी हुई पहाड़ियों के बीच बसा ये गांव काफई सुंदर है, लेकिन पिछले कई सालों में यहां से लोग पलायन कर गए हैं और अब यहां गिनती के लोग बचे हैं। साल 2018 से ही यहां बसने के लिए लोगों को पैसे ऑफर किए जा रहे हैं। चार लोगों के परिवार में हर अडल्ट को 22,440 यानि 22 लाख रुपये और हर बच्चे को 8,975 यानि 8 लाख रुपये दिए जाएंगे।

कोई भी अच्छी चीज़ बिना शर्त के नहीं आती। ऐसे में इस ऑफर के साथ भी शर्तें लागू हैं। इसका लाभ 45 साल से कम उम्र वाले लोग उठा सकते हैं, जबकि अर्जी लगाने वाले का स्विस सिटीजन होना जरूरी है, जिसे परमिट C मिला हुआ हो। अगर आप गांव में 10 साल रहे तो घर की वैल्यू बढ़ेगी लेकिन अगर उससे पहले आपने जगह छोड़ी तो आपको यही रकम वापस देनी होगी।

भाजपा सरकार अपने घपले छिपाने के लिए विपक्ष को फंसा रही : अखिलेश

» बोले-नगर निकाय चुनाव में मिलेगा बीजेपी को जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने घपले छिपाने और विपक्षी दलों के नेताओं की छवि को खराब करने और बदनाम करने के लिए ईडी और सीबीआई को हथियार बना लिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि जनता नगर निकाय चुनाव में भाजपा को महंगाई, बेरोजगारी और अव्यवस्था का जवाब देगी। भाजपा सरकार में शहरों में हर तरफ कूड़ा ही कूड़ा है। भाजपा सरकार नगरों के सीवर सिस्टम को ठीक नहीं कर पाई, लेकिन हाउस टैक्स और वाटर टैक्स बढ़ा दिया गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। वाराणसी में वीवीआईपी संसदीय क्षेत्र में 25000 अवैध निर्माण हो गए जिनमें से अधिकांश में भाजपा के प्रश्रय प्राप्त लोगों की संलिप्तता है। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा से भी ज्यादा मजबूत तैयारी करने में जुटे हैं। देश में संविधान को बचाने की लड़ाई सबको मिलकर लड़नी होगी। उन्होंने जनता को एकजुट करने पर जोर दिया और कहा कि संविधान बचाने के लिए लोगो को ज्यादा से ज्यादा वोट डालने होंगे।

'बसपा के प्रत्याशी बीजेपी आफिस में तय होते हैं'

लखनऊ। बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि अखिलेश जी आपका ये बयान आपकी मानसिक कुंठा को दर्शाता है। राजनैतिक गलियारों के साथ-साथ आपके कार्यकर्ता भी ये जानते हैं कि आप चुनाव इसलिए हारे क्योंकि आपके चाचा आपके तानाशाही अंदाज के खिलाफ चुनाव लड़े थे। दरअसल, अखिलेश यादव ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय से तय होते हैं। वह जीतने के लिए तय नहीं होते वह इसलिए तय होते हैं कि समाजवादी पार्टी आगे न बढ़ जाए।

सीबीआई व ईडी की कार्रवाई पर तेजस्वी हुए मुखर, कहा

भाजपाइयों और आरएसएस की मुझसे लड़ने की औकात नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई)और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के लिए कहा- क्रोनोलॉजी समझना होगा। डायरेक्टर हैं...अमित शाह। डायलॉग राइटर को बदलना होगा इन्हें। ठेंगा मिल रहा इन्हें हमारे पास से! तेजस्वी से लड़ने की औकात भाजपाइयों और आरएसएस को एकदम नहीं है। इसलिए छापे पर छापा। उन्होंने दिल्ली के ताजा छापों पर बात की और बात-बात में मीडिया को घेरते हुए कहा कि छापे के नाम पर बीजेपी माइंड के मीडिया वाले अभी खबर चलाएंगे, शेर जैसा दहाड़ेंगे...फिर 10 दिन बाद म्याऊं!

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव से रेलवे में नौकरी के नाम पर काली कमाई के मामले में सीबीआई-ईडी पूछताछ और जांच कर रही है। तेजस्वी ने कहा- पूर्णिया की महारैली से भाजपा वाले डर गए हैं। उन्हें पता है कि वह तेजस्वी को ऐसे नहीं हरा सकेंगे तो मन से तोड़ दो। लेकिन, वह यह नहीं जानते हैं कि हमलोग डरने वाले नहीं हैं। जिगर मेरे पास है। जमीर मेरे पास है। राजनीतिक जमीन मेरे पास है। तेजस्वी के यहां से खजाना मिलने की एक ही बात सात साल से चला रहे हैं। ठेंगा मिला! पंचनामा दिखाओ।

तेजस्वी ने कहा कि यह मेरी बहनों के यहां छापे डलवा रहे। कई ऐसी बहन जो राजनीति में नहीं हैं, उनके यहां भी छापे डलवा रहे हैं। ये लोग हमारे घर की महिलाओं के जेवर उतरवा कर यूज्ड ज्वेलरी जुटाकर फोटो खींचकर दिखा रहे। जहां आठ, दस, पंद्रह महिलाएं हैं तो उनका सोना उतरवा कर कहिएगा तो इतना तो होगा ही। मेरे ज्यादातर बहनों की शादी 2012 के बाद हुई। उनकी अच्छी शादी हुई है। पैसे वाले हैं। अच्छा बिजनेस है हमारी बहनों की ससुराल का।

रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आयुक्त कार्यालय में विरोध प्रदर्शन और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के 23 साल पुराने मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ कोर्ट ने सख्त रुख अपना लिया है। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने मुकदमे की सुनवाई में उपस्थित न होने पर सोमवार को उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

साथ ही अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करते हुए मुकदमे की सुनवाई के लिए 18 मार्च की तारीख तय की है। बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को फर्जी ढंग से आरोपित बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को भारतीय युवा कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रणदीप सुरजेवाला, प्रदेश अध्यक्ष एसपी गोस्वामी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आयुक्त कार्यालय परिसर में जबरदस्ती घुसकर तोड़फोड़ और हंगामा किया था। पुलिस ने मौके से सुरजेवाला, गोस्वामी आदि को गिरफ्तार किया था। मामले में सोमवार को आरोप तय किए जाने को लेकर सुनवाई होनी थी।

बीजेपी नेता के यौन शोषण से परेशान सातवीं कक्षा की छात्रा ने की आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के थाना खंदौली क्षेत्र के एक गांव में सातवीं कक्षा की छात्रा ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। इस मामले में बीजेपी नेता पर आरोप है कि उसने लड़की का शारीरिक और मानसिक शोषण किया था। मृतका आरोपी की बेटी की सहेली थी, जिसे आरोपी ने जाल में फंसा लिया था। लगातार हुए उत्पीड़न से आहत होकर किशोरी ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने आरोपी पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। किशोरी गांव के एक स्कूल में पढ़ती थी। उसके साथ गांव के रहने वाले राघवेंद्र सिंह चौहान की बेटी भी पढ़ती थी। राघवेंद्र सिंह चौहान बीजेपी नेता है। दोनों छात्राओं के

बीच गहरी दोस्ती थी। यही वजह थी कि दोनों एक-दूसरे के घर आते-जाते रहते थे। रविवार शाम करीब 7 बजे किशोरी ने घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। इस दौरान उसके माता-पिता खेत पर गए थे और किशोरी का 8 साल का भाई घर में मौजूद था।

कॉल डिटेल से खुला मामला

किशोरी के पिता ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने पढ़ाई के लिए बेटी को मोबाइल दिया था। पुलिस ने जब कॉल डिटेल खंगाली तो उसमें एक नंबर पर छात्रा से लंबी बातचीत होती थी। जब पुलिस ने पड़ताल की तो यह नंबर किशोरी की सहेली के पिता बीजेपी नेता राघवेंद्र सिंह चौहान का निकला। किशोरी उसे अंकल कहती थी। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी छात्रा के घर आया करता था। थाना प्रभारी नीरज कुमार मिश्र का कहना है कि इस मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में ड्रॉ खेलने के बावजूद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंच गया है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज भी जीत ली। उधर जून में होने वाले फाइनल के लिए टीम इंडिया के पास एक शानदार प्लान है। दरअसल, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि जिन भारतीय खिलाड़ियों की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमें इस टी20 लीग के प्ले ऑफ में जगह नहीं बना पाएंगी वे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले लंदन में दो हफ्ते के अनुकूलन शिविर में हिस्सा ले सकते हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल आईपीएल के ठीक बाद जून में खेला जाएगा।

आईपीएल फाइनल 29 मई को है जबकि डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से ओवल में शुरू होगा।

कोविड-19 के प्रकोप के बाद पहली बार आईपीएल घरेलू और विरोधी के मैदान के अपने मूल प्रारूप में खेला जाएगा, इस दौरान खिलाड़ियों को काफी यात्रा करनी होगी। भारत के मौजूदा नियमित टेस्ट खिलाड़ियों में केवल चेतेश्वर पुजारा ही आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं।

ऑस्ट्रेलिया से अंतिम मैच ड्रॉ सीरीज जीती

रोहित ने भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-1 से जीतने के कहा, 'यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। हम उन सभी खिलाड़ियों के साथ लगातार संपर्क में रहेंगे जो उस फाइनल में खेलने जा रहे हैं और उनके कार्यभार की निगरानी करेंगे तथा देखेंगे कि उनके साथ क्या हो रहा है।

तीन तेज गेंदबाजों के भरोसे भारत

उन्होंने कहा, '21 मई के आसपास छह टीमें होंगी जो संभवतः आईपीएल प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएंगी और इसलिए जो भी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे हम कोशिश करेंगे कि वे जल्द से जल्द ब्रिटेन पहुंच जाएं।' तीन मुख्य तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर), मोहम्मद शमी (गुजरात टाइटंस), उमेश यादव (कोलकाता नाइटराइडर्स) के अपनी फ्रेंचाइजी के लिए नियमित रूप से खेलने की उम्मीद है। उनके 14 ग्रुप लीग खेलों में से कम से कम 12 में खेलने की संभावना है और ऐसे में उनके कार्यभार पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा।

तेज गेंदबाजों को लाल गेंद से करवाएंगे ट्रेनिंग

रोहित ने कहा, 'हम सभी तेज गेंदबाजों को कुछ (लाल) ड्यूक गेंदें भेज रहे हैं। उन्हें इससे गेंदबाजी करने का समय मिलता है लेकिन यह सब व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर निर्भर करता है।' भारत में एसजी टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा के विपरीत इंग्लैंड में टेस्ट ड्यूक गेंदों के साथ खेले जाते हैं। देखना होगा कि शमी, उमेश और सिराज यात्रा, मैचों और व्यस्त कार्यक्रम के बीच कितना समय निकाल पाते हैं। लेकिन टेस्ट टीम के अधिकतर सदस्यों के लिए इंग्लैंड कोई नई जगह नहीं है क्योंकि वे सभी वहां कई सीरीज खेल चुके हैं और उनमें से कुछ ने काउंटी क्रिकेट भी खेला है।

संसद में दूसरे दिन भी हंगामा, कार्यवाही स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन भी दोनों संदनों में हंगामा जारी रहा। सुबह लोकसभा की कार्रवाई शुरू होते ही बीजेपी व कांग्रेस में तीखी नोक-झोक हुई। मंगलवार को इस हंगामे के चलते लोकसभा को कल तक के लिए भंग कर दिया गया। वहीं, राज्यसभा में हंगामे के बीच सदस्यों ने भारत की फिल्मों- आरआरआर और द एलिफेंट व्हिस्परर्स को ऑस्कर जीत के लिए बधाई दी।

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। गोहिल ने आरोप लगाया कि गोयल ने लोकसभा के एक सदस्य के खिलाफ आरोप लगाकर उच्च सदन के नियमों एवं प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को नियम 188 के तहत दिए नोटिस में गोहिल ने कहा कि गोयल ने उस नियम 238 का हनन किया है 'जो स्पष्ट रूप से कहता है कि कोई भी सदस्य किसी दूसरे सदस्य या दूसरे सदन के सदस्य के खिलाफ मानहानिकारक एवं अभियोगात्मक प्रकृति वाला कोई आरोप नहीं लगा सकता।' गोहिल ने नोटिस में कहा कि 13 मार्च को गोयल ने दूसरे सदन के सदस्य की कुछ टिप्पणियों से जुड़ा विषय राज्यसभा में उठाया।

ऑस्कर मिलने पर सदन ने दी बधाई

बीच में टोकने पर नाराज हुईं जया बच्चन

नई दिल्ली। सांसद जया बच्चन राज्यसभा में जब वो नाटू-नाटू गाने को ऑस्कर मिलने पर बधाई के बीच किसी के टोक ने पर नाराज हो गईं। जया ने भाषण के दौरान टोकने पर नाराजगी जताते हुए एक सांसद से कहा कि क्या नीरज आप हमेशा ऐसा करते हैं। जया ने कहा कि ये बीच में टोकने की आजकल बीमारी होती जा रही है। उन्होंने सांसद से नाराजगी जताते हुए कहा कि जब कोई सभ्य बात कर रहा हो तो असभ्यता नहीं दिखानी चाहिए। दरअसल, जया ने कहा था कि ऑस्कर किसी उत्तर-दक्षिण नहीं, केवल भारतीय ने जीता है।

धनखड़ बोले-आपकी आवाज हमेशा से बुलंद

जया ने जैसे ही सांसद पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आवाज हमारे पास भी है, सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें शांत कराने के लिए कहा कि मैडम आपकी आवाज नहीं, बुलंद आवाज है और हम इसे जानते हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, देश में किसने तानाशाही की, उनके पार्टी में किस तरह की तानाशाही चल रही है और खड़गे जी के साथ कैसा व्यवहार होता है ये सबको पता है।

कांग्रेस ने दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन में टीटी ने महिला यात्री के सिर पर किया पेशाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले कुछ दिनों में ट्रेन और हवाई यात्राओं के दौरान यात्रियों के साथ बदसलूकी की कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार को भी इसी तरह का एक मामला सामने आया लेकिन यहां बदसलूकी किसी सहयात्री द्वारा नहीं बल्कि ट्रेन के ही टीटी द्वारा की गई। घटना अमृतसर से कोलकाता जा रही अकाल तख्त एक्सप्रेस की है। ट्रेन में मौजूद टीटी ने एक महिला के सिर पर पेशाब कर दिया, जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ।

लखनऊ जीआरपी एसएचओ के अनुसार राजेश अपनी पत्नी के साथ ए-1 कोच में सफर कर रहे थे। रात के करीब 12 बजे लगभग सभी यात्री सो गए थे, राजेश की पत्नी भी अपनी सीट पर सो रही थीं, आरोप है कि तभी टीटी मुन्ना कुमार ने उनके ऊपर पेशाब कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टीटी मुन्ना कुमार, बिहार का है, जिसे महिला की शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

पहले भी हो चुकी हैं इस तरह की घटनाएं

पिछले कुछ महीनों में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 05 मार्च को अमेरिकन एयरलाइन में एक छात्र ने सह यात्री पर पेशाब कर दी थी। न्यूयॉर्क-नई दिल्ली अमेरिकन एयरलाइंस के एक विमान में सवार एक यात्री ने नशे की हालत में अपने दूसरे साथी यात्री पर कथित तौर पर पेशाब कर दी। इससे पहले 26 नवंबर को न्यूयॉर्क-दिल्ली एयर इंडिया की फ्लाइट में लगभग ऐसी ही एक घटना सामने आई थी, जिसमें शंकर मिश्रा नाम के शख्स ने कथित तौर पर नशे की हालत में एक बुजुर्ग महिला पर पेशाब कर दिया था।

बिहार विधानसभा में गाली-गलौज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । बिहार विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बड़ी घटना होने से बच गई। कहा जा रहा है कि सत्ता पक्ष की तरफ से गाली दी गई, तो प्रश्न कर रहे भाजपा विधायक लखिन्द्र पासवान ने माइक तोड़ दिया। इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान मामला काफी बढ़ गया। स्थिति इतनी खराब हो गई कि सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

» भाजपा एमएलए ने तोड़ा माइक

लखेंद्र पासवान पातेपुर से बीजेपी के विधायक हैं। बिहार विधानसभा के बजट सत्र में आज कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष के विधायकों ने हंगामा किया। इस मुद्दे पर बीजेपी विधानसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव लाई। आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ।

16 तमिलनाडु मछुआरों को रिहा कराए मोदी सरकार: स्टालिन

» श्रीलंका में गिरफ्तार किए गए हैं सभी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कुछ दिन पहले गिरफ्तार किए गए 16 मछुआरों को जब्त की गई 102 नौकाओं सहित मुक्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़े गए सभी 16 मछुआरों और 102 मछली पकड़ने वाली नौकाओं की जल्द रिहाई के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। सीएम स्टालिन ने 12 मार्च, 2023 को 16 मछुआरों

की गिरफ्तारी और नागापट्टिनम और पुदुक्कोट्टई जिलों से संबंधित मछली पकड़ने वाली दो यंत्रीकृत नौकाओं की जब्ती का हवाला देते हुए मोदी को पत्र लिखा।

एडीजी पीएचक्यू एसके भगत को जीआरपी का अतिरिक्त प्रभार

» यूपी में तीन आईपीएस अफसरों के तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । राज्य सरकार ने मंगलवार को तीन आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया गया है। एडीजी जीआरपी सतीश गणेश को पीटीएस मुरादाबाद भेजा गया है। एडीजी पीएचक्यू एसके भगत को जीआरपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वही रवि जोसेफ लोक्कु एडीजी पीटीएस मुरादाबाद के अतिरिक्त प्रभार से अवमुक्त किये गए।

उमेश पाल हत्याकांड: 18 दिन बाद भी पुलिस खाली हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेशपाल पाल की हत्या हुए 18 दिन बीत गए पर पांच आरोपी अब भी फरार हैं। हालांकि यूपी पुलिस एड़ी चोटी का जोर लगा रही है पर कामयाबी नही मिल रही है।

इसी के मद्देनजर पुलिस ने मुख्य आरोपियों में शामिल माफिया अतीक अहमद के फरार पुत्र असद समेत पांच शूटरों के खिलाफ शासन ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित कर दिया है। अभी तक इन लोगों के खिलाफ ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस इनकी देश के कई राज्यों सहित पड़ोसी देश नेपाल में भी तलाश कर रही है। घटना के 18 दिन बीत जाने के बाद भी इनका सुराग न मिलने पर इनके सिर पर रखे गए ढाई लाख के इनाम को बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। पांच का लाख का इनामी होने के बाद असद अहमद अतीक अहमद के परिवार का सबसे बड़ा इनामी और यूपी का मोस्ट वांटेड बन गया है।

» अतीक के पुत्र असद समेत पांच आरोपियों पर इनाम बढ़ाया

शाइस्ता की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई आज

उमेश पाल हत्याकांड मामले में आरोपित शाइस्ता परवीन ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जिला न्यायालय में सोमवार को अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की है। अदालत मंगलवार को इस पर सुनवाई के लिए तिथि तय कर सकती है। अपनी अर्जी में शाइस्ता ने कहा है कि उसका इस घटना से कोई लेनादेना नहीं है और न ही कोई मतलब है। उसे सियासी रंजिश में फंसाया गया है। शाइस्ता के अधिवक्ता सौलत हनीफ खान ने कहा कि अर्जी दाखिल हो गई है। अब कोर्ट के आदेश पर आगे की प्रक्रिया की जाएगी। उमेश पाल हत्याकांड मामले में शाइस्ता फरार होने की वजह से 25 हजार रुपये की इनामी हो चुकी है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।